कबीर के दोहे
साखी

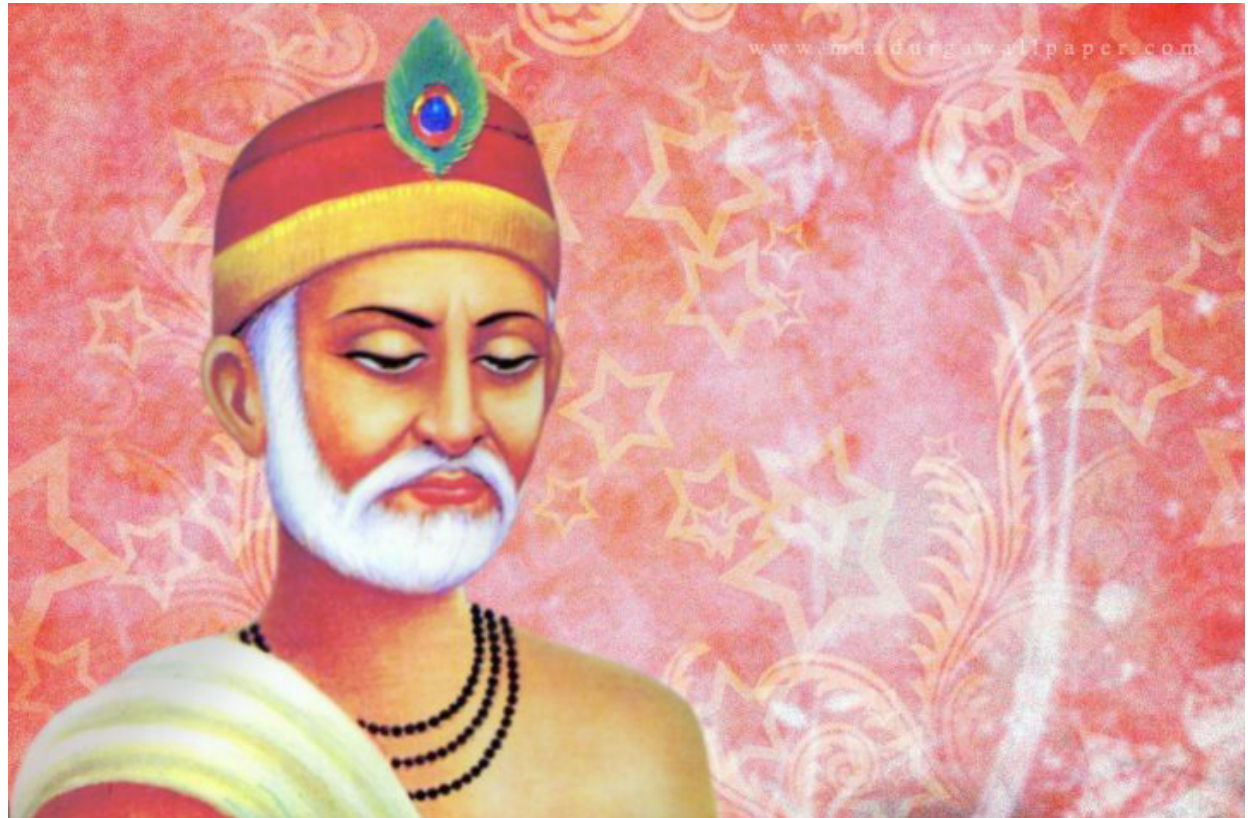

- विरह भुवगम तन बसै, मंत्र ना लागै कोई
- राम बियोगी ना जीवै , जीवै तो बौरा होई
- कबीर जी कहते है जिस व्यक्ति को विरह ने जकड़
- लिया है वह जीवत नहीं सकता,
- उसी प्रकार जिस व्यक्ति को प्रभु के नाम
- की रट लग जाती है वह भी पगल के समान
- बन जाता है

भुजग –साप

बौरा –पागल

- सुखिया सब संसार है, खाय अरु सोवे
- दुःखिया दास कबीर है, जागै अरु रोवे

- कबीर के अनुसार यहक सारी दुनिया सुखी है क्यों की यह खाने और सोने का काम करती है इसे किसी भी प्रकार की चिंता नहीं है उनके अनुसार सबसे दुखी व्यक्ति वो है जो प्रभु के वियोग मे जगते रहते
- है उन्हें भी चैन नहीं मिलता, वे प्रभु को पाने की आशा मे हमेश
- चिंता मे रहते है

- कस्तूरी कुंडली बसे, मृग ढूढे बन माहि
- ऐसे घटि –घटि राम है, दुनियां देखे नाही

- मृग ----हिरण
- कस्तूरी --- एक खुशबू वाला पर्दाथ
- कुंडली ------ नाभी
- बन – जंगल
- माही --- मनुष्य

- यहां कबीर ईश्वर के महत्व को बताते हुए कहते है कि कस्तूरी हिरण की
- नाभी मे होती है लेकिन इससे अनजान हिरण उसकी सुंगद्य के कारण उसे
- पुरे जगल मे ढूंढ ता फिरता है

- उसी प्रकार मनुष्य भी अज्ञानता वश ईश्वर को मंदिर, मजिस्ज अनेक
- जगह ढूंढता रहता है

- ज़ब मै था तब हरि नहीं, हरि है मै नाही
- सब अधियारा मिटी गया, ज़ब दीपक देख्या माही
- कबीर जी कह रहे है कि ज़ब मनुष्य के मन मे अहकार होता है तब तक उसे ईश्वर की प्राप्ति नही होती ज़ब उसके अंदर का अहकार मिट जाता
- है तब ईश्वर की प्राप्ति होती है

- कवि का जन्म स्थान –काशी

जन्म तिथि 1398-1495

जो भी इन्होने जीवन से सीखा उसे साखी के रूप में प्रस्तुत किया

साखी शब्द का अर्थ है – साक्षी मतलब प्रत्यक्ष ज्ञान.

कबीर ने बाह्य आडंबर का विरोध किया है

- ऐसी बाणी बोलिये, मन का आपा खोइ
- अपना तन शीतल करे, औरन को सुख होइ

बाणी ---बोली आपा ---घमड़, अहकार

औरन ---दूसरों सुख ----शांति

कबीर जी कहते है हमें ऐसी बाते करनी चाहिए जिसमे हमारा घमंड ना दिखे. इससे हमारा मन शांत रहेगा तथ सुनने वालों को भी सुख और शांति मिलेगी.

- अहकार की वाणी

मीठी वाणी

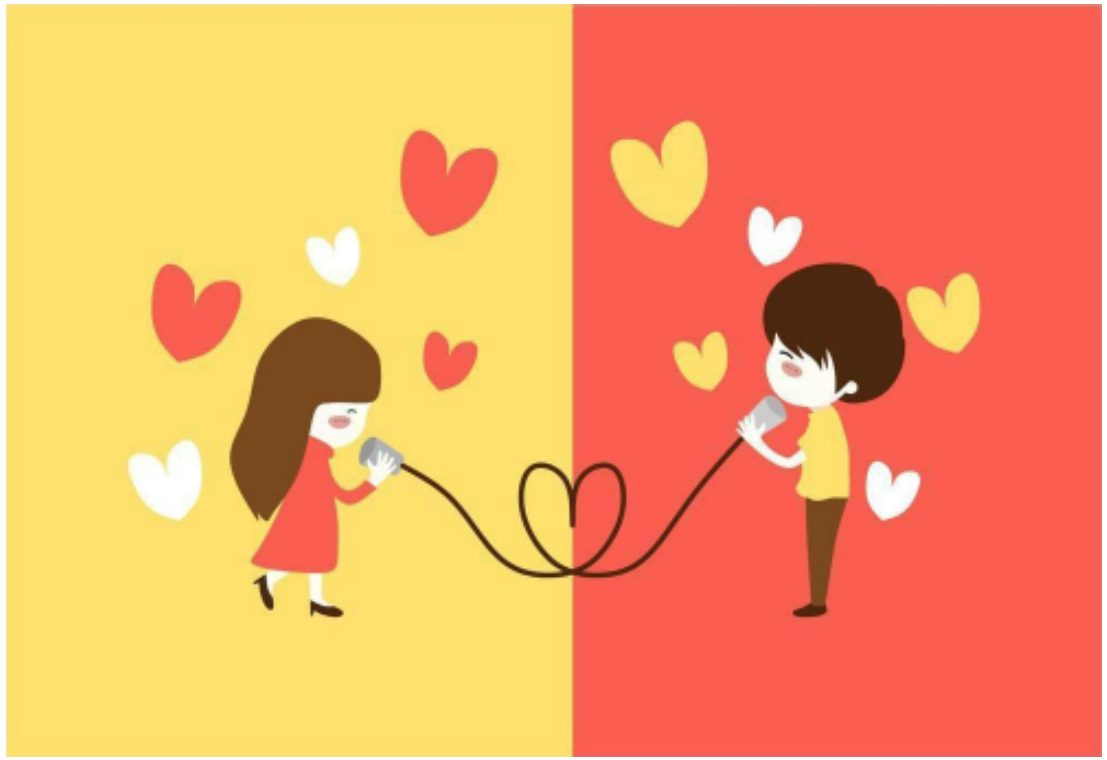

Speak
in such a way
that others love to
listen to you. Listen
in such a way that
others love
to speak
to you.
ANONYMOUS
VALUES
.COM

If Speech is Silver, Silence
is Gold ....
When you must speak...
Speak a few words....
Speak sweetly and
softly.....
That is the way... To reach
a listener's heart.....